लौव अग्रासन

भाषा संस्कृति कलाके समिश्रण, निष्पक्ष समारचारमूलक पोष्टा

www.agrasankhabar.com राष्ट्रिय साप्ताहिक

सक्कुज खोज् खोज्ख पह्री
थारू भाषक् एक्कठो पोष्टा
लौव अग्रासन
साप्ताहिक
घोराही, दाङ
सम्पर्क नं. ९८४७८२७०६५

वर्ष १७ अंक २२ पुर्णांक ७५० २०८२/थारु सम्वत २६४८, जेठ ६ गते, मंगर (Lauwa Agrasan National Weekly (20 May. 2025, Tuesday) पृष्ठ-४ म्वाल रु. १०।-

मनैया एक क्षमता अनेक: निठक्ना जोढा क. नेत्रलाल पौडेल 'अभागी'

■ भुवन चौधरी



दाङ, ५ जेठ । बाबा मोहनलाल उपाध्याय पौडेल व डाई जयन्ताउपाध्यायके क्वारम दशठो सन्तान मध्ये सबसे छोट्का सन्तानके रुपमविक्रम संम्वत २००१ साल पुस २७ गते दाङ जिल्लक तबहेक धर्ना गाउ विकास समितिके वडा नं २ सिसैपुर गाउँम जर्मलक नेत्रलाल अभागी छुटीमसे बरा तेज व चलाख रलह ।हाइस्कुल पह्रबेरसे जो पहर्ना व पह्रैना काम शुरु कर्लक नेत्रलाल करिब ९ बरस मस्टर्वा बन्ल ।

मास्टरी काम व राजनिति संग संग कर्लक नेत्रलाल अभागीकेराजनीतिक जीन्गी जम्मा १९ वरस पुगलरलहिन । यिहिमफे ११ वरसत पुरा भूमिगत होके कठोर राजनीतिक नेगांई व डौराई हुँकहार राजनीतिक जीन्गीक उत्कर्षकेब्यालक रूपम लेह सेकजैठा । पार्टीके राजनितिक कामम खटल ब्याला भूमिगत अवस्थाम ४१ वरसके छुटी उमेरम देहावसन हुइलक नेत्रलाल अभागीउ जमानाम बि.ए. अनर्स सम्म अध्ययन कर्लक नेत्रलाल बहुमुखी प्रतिभाके धनी रलह । किसान, किसान नेता, जेहेन्दार व असल विद्यार्थी, सफल मस्टर्वा, साहित्यकार, कुशल राजनितिज्ञ लगायत ढेउर क्षेत्रम हुकहार असाधारण प्रतिभा व क्षमता रलहिन् । खास कैखे समकालिन दंगाली कम्युनिष्ट राजनितिके गुरु रलह नेत्रलाल अभागी । हुकहिन सक्कुजे माडसाव कैख चिनट ।आइ हम्रफे सक्कुजनक माडसावके प्रतिभा व क्षमताके बारेम चर्चा करी ।

जेहेन्दार व असल विद्यार्थीके रुपम नेत्रलाल

भारतके बनारसमसे विए अनर्स डिग्री हाशिल कर्लक नेत्रलाल पह्राईम बर टिक्खर रलह ।छुटीमसे पहर्नाम बर चलाख होके ध्यान डेना नेत्रलाल धर्ना स्कुलम पह्रबेर आपन संघरियागोचालीहुँक्र सक्कुजहिनसे टिक्खर रलह । घोराहीके भरतपुर स्कुलके होस्टलम ड्यारा लेख संगसंग पहर्लक दाङ अम्राई गाँउ हाल बाह्र बर्दियाके जोढीपुर गाँउम बैठ्ना ढुन्डीराज चौधरीक अनुभवम "नेत्रलाल पहर्ना व पह्रैना काम संग संग करट । दिनके स्कुल पह्र जैना, सानविहान टिउसन पह्रैना व रातके आपन कोर्षके विषय गृहकार्य कर्ना व पहर्ना काम करठ । चित्त निबुभ्लक बाटम मस्टर्वनसे छलफल कैडर्ना नेत्रलाल गृहकार्य व कक्षा कार्य फे ट्वाकल समयम करके बुझाडारठ । पह्राईम अत्रा धेउर लगाम रलहिन कि उ नेगंटी नेगंटी फे किताब पह्रट । विस्ताराम सुटल ब्याला निनिडाइट सम फे पहर्टी रहट ।

कबु काल ट चर्पीम ह्याग गैल ब्याला फे पहर्लक सुनि हम्र । हेर्टी हेर्टी एक्क घचिम कविता लिखडर्ना नेत्रलाल आपन कोर्षक विषय व संग संग कोर्ष बाहेक भेटाइलसम और किताब व पत्रपत्रिका फे पह्रट । खास कैखे कम्युनिष्ट पार्टीके बारेम लिख्लक किताब पत्रपत्रिका ढेउरसे ढेउर पह्रट नेत्रलाल । मस्टर्वहुक्र डेलक कक्षा कार्य व गृहकार्य समयम बुझैना नेत्रलाल निजन्ना संघरियनफे सिखाडेहट । संघरियनके लाग फे बर सहयोगी रलह नेत्रलाल ।" असिक बुझबेर नेत्रलाल पहर्ना व पह्रैना, लिख्ना व लिखैनाम बर अव्वल रलह कह सेकजैठा ।

मस्टर्वक रुपम नेत्रलाल

नेत्रलाल अभागीक पारिवारिक अवस्था कमजोर रलहिन छुटी कक्षाम गाँउके लग्घ धर्ना स्कुलम जेनटेन पहर्के सेक्ख बरा कक्षा घोराहीक भरतपुर स्कुल पह्र अइल । शुरुम ट खिरिट्या गाँउक पछ्यांईक घरम बैठके पहर्लक नेत्रलाल पाछ भरतपुर स्कुलिक होस्टेल बैठके पह्र भिर्ल । उह ब्याला नौदस कक्षाम पह्रबेर जो अनौपचारिक रुपम पह्रैना काम शुरु कर्ल रलह नेत्रलाल । एस.एल.सी.परिक्षाडेक सेक्खपाछ बल्ल दाङ देउखरके गढवाम रलकमिडिल स्कुलके हेड मस्टर्वा होके औपचारिक रुपम पह्रैना कामम छिरल रलह । पाछ काठमाडौंम पह्र गैल ब्यालाम विक्रम संवत २०२१/२०२२ म काठमाडौंके श्री धुम्रबराह बाल सह(शिक्षालयमा फे पह्रैलक रेकर्ड बटिन नेत्रलालके । काठमाडौंम आपन पह्राई ओराके २०२३ सालमअर्घाखाँची जिल्लाके चुत्राबेँसी त्रिवेणीपुरम रलक जनज्योति मा.वि.म मस्टर्वा बनके पह्राई भिर्ल । पाछ जाके उह स्कुलम हेड मस्टर्वा बन्ल । साहित्य व राजनितिम रुची रलक नेत्रलाल उ स्कुलम रहल ब्याला स्कुलिक मुखपत्र 'आँकुरा' छप्ना काम करल देखपर्ठा ।

वि.स. २०२४ सालओर दाङ नारायणपुर स्कुलम हेड मस्टर्वा चाहल रह याकर जिम्मा पदम शर्माहे डेगिल रह । पदम शर्मा अर्घाखाँची जाके नेत्रलाल अभागीसे बाटचिट कैखै लन्ल व हुकहिनदाङजिल्लाके नारायणपुरम रलक सिद्धरत्ननाथ प्रा.वि.के हेड मस्टर्वा बनैल । उहाँ उ स्कुलहे मजा बनाइक लाग अत्रा मेहनत कर्लकी २०२४ सालम जो सिद्धरत्ननाथ प्रा.वि. मा.वि.के स्विकृति पाडारल ।

नेत्रलाल हेड मस्टर्वा चलैना, पह्रैना काम केल निकरट, समय निकारखे उत्पीडित किसान हुकन जागरण लन्ना काम फे कर जाइट गाँउ गाँउम । खास कैखे कम्युनिष्ट पार्टीक प्रचार प्रसारके कामम फे सक्रिय रलह नेत्रलाल । नेत्रलालके गतिविधिसे उ ब्यालक पञ्चायती शोषकहुक्रखुसी निरलह । उह समयम २०२९ जेठ १६ गते रातके"बहुलाकाजीको सपना"कना नाटक डेखैना बहानाम नेत्रलालहे फसैना कैखकुछ जाली फटाहा पञ्चेहुक्र नारायणपुर स्कुलिम आगी लगाडेल । खास बाट का रह कलसे २०२८ सालम पञ्चायती व्यवस्था शिक्षाम सुधार कर्ना कैखे "लौव शिक्षा" लागु कैरख्लाहा ज्याकर विरोधम नेत्रलालहुक्र ठहर्याइल रलह । एक ट भिट्टर भिट्टर कम्युनिष्ट राजनिति कर्ना औरओर सरकार अन्लक लौव शिक्षा कार्यक्रमके विरोध कर्ना करबेर टबहेक पञ्चायती राज्य व्यवस्थाके आँखीम खक्टा परलअस लागल रलहिन । उहओर्से का बहाना बनाके नेत्रलालहे फकल्ना हो कना योजना बनैटी रह उ ब्यालक राज्य व्यवस्था । जब २०२९ जेठ १६ गते स्कुलम आगी लागल टब "के खोच्छस कानो आँखो" कहल अस मौका हेरके अंश्या लागल जाली फटहाहुँक्र आगी लग्लक आरोप, राजनिति कर्लक आरोपलगायत अन्य गतिविधि कर्लक आरोप लगाके २०३० साल साउन २४ गते मास्टरी पेशासे निक्राडेल। असिक सरकारसे निक्रवापैलक पाछ नेत्रलाल औपचारिक रुपम पह्रैना काम छोरके देश व जनतनके मुक्तिके लाग भुमिगत होके पुर्णकालिन रुपमक्रान्तिम लग्ल । असिक चानचुन नौ बरस जति औपचारिक रुपम पह्रैना पेशाम लग्लक नेत्रलाल अनौपचारिक रुपम ट जनतन्, किसानन् पह्रैटी रल । उह ट हुकहिन बच्चाठेसे बुह्राइल मनै फे माडसाव कैखै चिनट व माडसाव कैखै बलैना करट ।

मटावक रुपम नेत्रलाल

आपन गाँउ ठाँउ समाजम व्यवस्थापिका, कार्यपालिका, न्यायपालिकाके काम कर्ना, आपन गाँउ ठाँउक सुरक्षा कर्ना, संरक्षण कर्ना काम व समग्र विकासके अगुवाई कर्ना काम मटावक रठन । नेत्रलाल अभागीक समकालिन समयहन किल्क्वारबेर उहाँ कुशल मटावक रुपमा आपन भूमीका निर्वाह करल डेखपर्ठा ।नेत्रलालके चेलक रुपम संग संग किसान आन्दोलनम लग्लक दाङ अम्राइ गाँउक किसान नेता मंगल चैधरी कठ "नेत्रलालकेठे एक्ठो कुशल मटावकम रना सक्कु गुण व क्षमता रलहिन । उहाँ किसान, जनता हुकन् एक्कचो अर्जी करही कलसे सक्कुजान एक्क ठाँउम जुट जाइठ" । खास कैखे गाँउघर समाजम पर्लक सामुहिक कामम नेतृत्वदायी भूमीका निर्वाह कर्ना, जनतन न्यायँ डेना, जनतनके समस्या समाधान कैडेना, जनतनके सुख दुखम साथ डेना, जनतन सुरक्षा डेना, जनतनके संरक्षण कर्ना, जनतनजीन्गी जिना डग्गरके बारेम सिखैना, निजन्ना मनैन् पह्रैना लिखैना करल हुइलक ओरसे हुकहिन जनताहुक्र मटावा जसिन मानल रलह व हुकहार कलक बाटम विश्वास करट । कार्यकर्ताहुकन जिम्मेवारी बँट्ना, काम अह्रैना व अह्रैलक काम फत्ते परैना काममफे अभागीक नेतृत्वशैली कुशल रलहिन । नेत्रलालसे प्रभावित होखे युवा अवस्थाम किसान आन्दोलनम जोरगैलक दाङ मकुनडांडक मान बहादुर बस्नेत अन्ख्वार अनुभव सुनैठः "नेत्रलाल अभागी, शोभाराम बस्नेत, रोमहर्ष धिताल लगायतके नेता हुक्र किसान आन्दोलनके बारेम अस्पर्री पुर्ण बहादुर चौधरीके घरम बैठके छलफल कर्टी रलह हम्र युवा हुक्रफे रलही । कत्रा अँटगर बा कैखे रातके १२ बजेक समयम नेत्रलाल मही हापुर खोल्वम जाखे मुलक मनैया जरैलक कठ्वा लेके आ कैख अह्रैल । हुकहार अह्रैलक काम मै कैखे अइनु" । आपन कार्यकर्ता हुकन, जनताहुकन अह्रैना काम ओ अह्रैलक काम कराइसेक्ना काम फे कुशलतापुर्वक करट नेत्रलाल ।

क्रान्तीकारी किसान नेताके रुपम नेत्रलाल

वि.सं. २०३६ असार ४ गतेसे दाङ जिल्लाम सुरु हुइलक आन्दोलनके नेतृत्व नेत्रलाल करल रलह । वि.सं. २०३६ के यि किसान आन्दोलनके नेतृत्व कर्टी नेत्रलाल जिम्डर्वन, शोषक, सामन्तीनके भकारी फोरके किसानहुकन वँट्ना करट । हुकहार नेतृत्वम शोषकहुकन कर्या कजरा घँसडेना, जुवम नारखे हर बर्ढा बनाके जोत्ना, जटाउरम नारखे धान डैना जसिन जनकार्बाही फे हुइल रह कैख उ आन्दोलनम लग्लक मान बहादुर बस्नेत बटोइठ । किसानहुकन सङ्गठित कराखे मोही बेदखलीक विरुद्ध, सज्झ्या जग्गाम जिम्डर्वनके हस्तक्षेपके बिरुद्ध किसान विद्रोह करैना नेत्रलाल हुइट । असिक हुइलक किसान आन्दोलनम नेत्रलाल अप्नहे फे संगसंग जैना पीडित किसानहुकन सहभागी करैना कैख किसानके विचम एकदम जनप्रिय हुइटी किसानहुकन वर्गीय चेतना व राजनीतिक जागरण लन्नाम क्रान्तिकारी काम कर्ल रलह ।

प्रगतिशिल साहित्यकारके रुपम नेत्रलाल

साहित्य श्रृजनाम नेत्रलाल निठक्ना जोढा हुइट । हुकहिन कविताम भ्याँट मिल्ठा, कविताम ब्वाल मिल्ठा, हुकहिनसे कविताम ऱ्वाय मिल्ठा, कविताम हाँस मिल्ठा । हुकहार कवितामा मनैन्के जीन्गी सल्बलाइल रठिन । दाङके किसान, थारू समुदाय, उत्पीडित वर्गनके घरम आश्रय लेना, हुकन संग बैठ्ना, संग खैना, संग काम कर्ना, हुकन्हक भाषम सुख दुःखक बाट बट्वइना हुकहार बानी रलहिन । किसानन्के समस्या, हुकन्हक सुख दुख, हुकन्हक पिर मर्का एकदम लग्घसे देख्ल रलह नेत्रलाल । उह ओर्से हुइ हुकहार हरेक श्रृजनाम किसानन्के मन ब्वालल मिल्ठा, गरिवनके आवाज ब्वालल मिल्ठा, उत्पिडत बर्गके आक्रोश ब्वालल मिल्ठा । शोषक

बाँकी तीन पेजम